

अब नियमित सेवाएं
मंदसौर में उपलब्ध

हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) | DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श कक्ष -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक

12, दशरूप कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

अब तीन दिन भारी बारिश की संभावना

मंदसौर, 16 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अंचल में पिछले 3-4 दिनों से बारिश नहीं हुई है। लेकिन, अगले दो-तीन दिनों में तेज बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मौसम जानकारों के अनुसार आज मंगलवार 17 सितंबर से 19 सितंबर तक तेज बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी से एक्टिव हुए लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ सक्रिय है। इसका असर अगले तीन दिनों तक रहेगा। इस दौरान प्रदेश के 38 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इंदौर, उज्जैन के कुछ जिलों में भी हल्की बारिश की स्थिति रह सकती है। जिले में अभी तक ओवरऑल 33.16 इंच (842 मिमि) औसत बारिश दर्ज की गई है। वहीं चंबल नदी पर बने गांधी सागर बांध का जलस्तर 1310.18 फीट पहुँच गया है।



महाआरती में शामिल हुए हजारों लोग...

हिन्दू संगठनों के आह्वान पर बस स्टैण्ड स्थित श्री बड़े बालाजी मंदिर में शाम 7 बजे महा आरती का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग ने भाग लिया। शाम करीब 6.30 बजे से ही बस स्टैण्ड जाने वाले सभी मार्गों पर पर केवल मंदिर जाते हुए लोग दिखाई दिए। महाआरती में हजारों लोगों ने भाग

लिया। यहां आरती के पश्चात जनसेलाब को संबोधित करते हुए विश्व हिन्दू परिषद के हेमंत बुलचंदानी ने प्रशासन को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि तत्काल कड़ी कार्यवाही नहीं की गई और आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो होने वाले आंदोलन की जवाबदारी पुलिस प्रशासन की होगी।

मंदसौर, 16 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। ईद मिलादुन्नबी के जलसे के दौरान असामाजिक तत्वों की हरकत से पूरे शहर में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। जलसा जब नेहरु बस स्टैंड स्थित बालाजी मंदिर पहुंचा तो यहां जुलूस के बीच में से किसी असामाजिक तत्व ने मंदिर में पत्थर फेंका। इससे मंदिर में खड़ा एक व्यक्ति घायल हो गया। जबकि, मंदिर पुजारी को भी चोट लगी। इसके बाद दो समुदायों के बीच विवाद शुरू हो गया। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद, एसपी गौतम सौलंकी सहित पुलिस बल ने मोर्चा संभाला। इधर, मंदिर में पत्थर फेंकने और मौके पर एक हिंदू व्यक्ति के घायल होने के बाद हिंदू संगठन भी आक्रोशित हो गए और मंदिर के बाहर सड़क पर बैठकर नाचबाजी करने लगे। हिंदू संगठन ने मांग की है कि पत्थर फेंकने वाले आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाए। इधर सोशल मीडिया के जरिए विवाद की खबर सभी जगहों पर फैलने

लगी। जिसके कारण मंडी गेट, सम्राट मार्केट, नयापुरा रोड, घंटाघर सहित मुख्य बाजारों में व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दीं। इधर शहर में एक समुदाय के लोग खासे आक्रोशित नजर आए। इस दौरान व्यवस्था संभालने एसपी-कलेक्टर सहित अधिकारी सड़को पर उतरे। उन्होंने लोगों से बात करने की कोशिश की, लेकिन आक्रोशित लोगों ने कुछ दुकानों में तोड़फोड़ कर डाली। इधर नेहरु बस स्टैंड पर बसों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। यही नहीं इक्का-दुक्का आगजनी की घटना को भी अंजाम दिया गया। इस दौरान पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

सड़क पर बैठ किया हनुमान चालिसा का पाठ...

पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मुस्लिम समाज के जुलूस को गंतव्य तक पहुंचाया। इसके बाद बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी एकत्रित हो गए। काफी देर तक पुलिस और हिंदू कार्यकर्ताओं के बीच झूमा झटकी और धक्कामुक्की के बाद हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और प्रशासन को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि अगर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो 2 दिन के बाद हिंदू संगठन अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों से बात कर सख्त कदम उठाएगा।

प्लानिंग के तहत की पत्थर बाजी...

मीडिया को जानकारी देते हुए हिंदू संगठन के नेता गौव अग्रवाल और विनय दुबेला ने बताया कि हिंदू संगठनों ने प्रशासन को पहले ही आगाह किया था कि मुस्लिम समुदाय के जुलूस के मार्ग में आने वाले हिंदू मंदिरों में पुलिस की विशेष व्यवस्था की जाए। हालांकि, प्रशासन ने इसे हल्के में लिया और मुस्लिम पक्ष ने

डाक पंजीयन क्र. L/RNP/म.प्र./मन्दसौर/122/2024-26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अग्रवार्ता

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18

अंक 330

पृष्ठ 4

मन्दसौर

मंगलवार 17 सितम्बर 2024

मूल्य 2 रुपया

हनुमान मंदिर में पथराव से बिगड़ा माहौल...

आगजनी, तोड़फोड़, बसों के कांच फोड़े

मिलादुन्नबी के जलसे के दौरान पथराव से घायल हुआ युवक, पुलिस के साथ झूमाझपटी, बाजार बंद, चप्पे-चप्पे पर तैनात हुई पुलिस

मंदसौर, 16 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। ईद मिलादुन्नबी के जलसे के दौरान असामाजिक तत्वों की हरकत से पूरे शहर में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। जलसा जब नेहरु बस स्टैंड स्थित बालाजी मंदिर पहुंचा तो यहां जुलूस के बीच में से किसी असामाजिक तत्व ने मंदिर में पत्थर फेंका। इससे मंदिर में खड़ा एक व्यक्ति घायल हो गया। जबकि, मंदिर पुजारी को भी चोट लगी। इसके बाद दो समुदायों के बीच विवाद शुरू हो गया। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद, एसपी गौतम सौलंकी सहित पुलिस बल ने मोर्चा संभाला। इधर, मंदिर में पत्थर फेंकने और मौके पर एक हिंदू व्यक्ति के घायल होने के बाद हिंदू संगठन भी आक्रोशित हो गए और मंदिर के बाहर सड़क पर बैठकर नाचबाजी करने लगे। हिंदू संगठन ने मांग की है कि पत्थर फेंकने वाले आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाए। इधर सोशल मीडिया के जरिए विवाद की खबर सभी जगहों पर फैलने

लगी। जिसके कारण मंडी गेट, सम्राट मार्केट, नयापुरा रोड, घंटाघर सहित मुख्य बाजारों में व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दीं। इधर शहर में एक समुदाय के लोग खासे आक्रोशित नजर आए। इस दौरान व्यवस्था संभालने एसपी-कलेक्टर सहित अधिकारी सड़को पर उतरे। उन्होंने लोगों से बात करने की कोशिश की, लेकिन आक्रोशित लोगों ने कुछ दुकानों में तोड़फोड़ कर डाली। इधर नेहरु बस स्टैंड पर बसों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। यही नहीं इक्का-दुक्का आगजनी की घटना को भी अंजाम दिया गया। इस दौरान पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

सड़क पर बैठ किया हनुमान चालिसा का पाठ...

पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मुस्लिम समाज के जुलूस को गंतव्य तक पहुंचाया। इसके बाद बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी एकत्रित हो गए। काफी देर तक पुलिस और हिंदू कार्यकर्ताओं के बीच झूमा झटकी और धक्कामुक्की के बाद हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और प्रशासन को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि अगर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो 2 दिन के बाद हिंदू संगठन अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों से बात कर सख्त कदम उठाएगा।

प्लानिंग के तहत की पत्थर बाजी...

मीडिया को जानकारी देते हुए हिंदू संगठन के नेता गौव अग्रवाल और विनय दुबेला ने बताया कि हिंदू संगठनों ने प्रशासन को पहले ही आगाह किया था कि मुस्लिम समुदाय के जुलूस के मार्ग में आने वाले हिंदू मंदिरों में पुलिस की विशेष व्यवस्था की जाए। हालांकि, प्रशासन ने इसे हल्के में लिया और मुस्लिम पक्ष ने



आईजी, डीआईजी, कमिश्नर मंदसौर में...

शहर ने बवाल को देख उज्जैन कमिश्नर, आईजी और रतलाम डीआईजी मंदसौर आए। इन सभी अधिकारियों का कैप आज मंगलवार को मंदसौर में ही रहेगा। गणेश विसर्जन के कार्यक्रम समापन के बाद ही सभी अपने पदस्थापना क्षेत्र जाएंगे। डीआईजी श्री मनोज कुमार सिंह तो शाम को ही मंदसौर आए गए थे। उन्होंने सर्वदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर पुलिस व्यवस्था को परखा था। देर शाम पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी भी मंदसौर पहुंचे और स्थिति को समझा। हालांकि, रात तक हालात सामान्य हो गए थे।

प्लानिंग के तहत पत्थर बाजी की। इससे दोनों पक्षों में माहौल गर्मा गया। विश्व हिंदू परिषद के नेता हेमंत बुलचंदानी ने कहा- जुलूस के दौरान यह प्लानिंग के साथ विवाद किया गया था। मुस्लिम पक्ष के लोगों ने बस स्टैंड पर एक बस के ऊपर पत्थर इकट्ठे किए थे, एक पत्थर आने के बाद जब हिंदू पक्ष ने विरोध किया तो उधर से कुछ और पत्थर और इसके साथ जूते चप्पल भी फेंके गए।

इनका कहना...

मंदिर में बैठा था, मुस्लिम समाज का जुलूस निकल रहा था। इसी दौरान जुलूस के बीच में से एक पत्थर आया, जो पास में बैठे उनके सहयोगी के सिर में लगा, जिससे वह घायल हो गए। वहीं एक पत्थर से उनके पैर में भी चोट आई है। विरोध करने पर कुछ पत्थर और चप्पल हमारे ऊपर फेंके गए थे।

शरद द्विवेदी, पुजारी बड़े बालाजी मंदिर बस स्टैण्ड मंदसौर

कड़ी कार्यवाही करेंगे...

फरियादी के अनुसार पत्थरबाजी

और लाठी से उन्हें चोट लगी है। जो भी इसमें शामिल है, उन पर कड़ी से कड़ी कार्यवाई की जाएगी। एसपी ने अपील की कि सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी नहीं फैलाए। इसकी शिकायत पुलिस कंट्रोल रूम पर भेजे। साहद पूर्ण वातावरण बनाए रखे। अगर किसी ने शांतीभंग करने की कोशिश की तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोई भी सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

अभिषेक आनंद पुलिस कप्तान मंदसौर सीसीटीवी फूटें देख की जा रही कार्यवाही...

मामले में सीसीटीवी फूटें देखकर आरोपी की पहचान की जाएगी। उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा भ्रामक जानकारी पर ध्यान नहीं दे स्थिति नियंत्रण में है। शांती व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

अदिती गर्ग, कलेक्टर

मिलादुन्नबी के जुलूस में फहराए फिलिस्तीन के झण्डे, विवादित भाषण भी बजाए

रतलाम, 16 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में सोमवार को निकाले गए मिलादुन्नबी के जुलूस में कई स्थानों पर फिलिस्तीन के झण्डे फहराते हुए देखे गए। इसके साथ ही जुलूस में शामिल कतिपय डीजे पर विवादित भाषण भी बजाए गए। फिलिस्तीनी झण्डे फहराने का विडीयो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

शहर में आज निकाले गए मिलादुन्नबी के जुलूस में कुछ युवाओं ने फिलिस्तीन के बड़े बड़े झण्डे फहराए। फिलिस्तीनी झण्डे फहराने का विडीयो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके साथ ही एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन औबेसी का विवादित भाषण भी एक डीजे पर जोर जोर से बजाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि अकबरुद्दीन औबेसी ने अपने विवादित भाषण में मुस्लिम समुदाय को उनकी जनसंख्या बताकर भड़काते हुए सड़कों पर उतरने की बात कही थी। यही भाषण डीजे पर लगातार बजाया जा रहा था। मुस्लिम समुदाय के जुलूस में फिलिस्तीन के झण्डे फहराने को लेकर शहर में अलग अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। कुछ लोग इसे हास्यास्पद मान रहे हैं, तो कुछ इसे मानसिकता का परिचायक बता रहे हैं। फिलिस्तीन से हजारों किमी दूर रतलाम में फिलिस्तीन के झण्डे फहरा कर मुस्लिम समाज के लोग क्या प्रदर्शित करना चाहते हैं यह प्रश्न भी सोशल मीडिया पर तेर रहा है।



उत्साह के साथ मनाई ईद मिलादुन्नबी

मंदसौर, 16 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पेंगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन ईद मिलादुन्नबी का पर्व मंदसौर शहर सहित अंचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व के एक दिन पहले जहां मुस्लिम समाज ने वाहन रैली निकालकर जश्न मनाया। वहीं सोमवार को भव्य जलसा निकाला गया।

जलसा शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ खानपुरा स्थित ईदगाह पहुंचा। जहां जलसे का समापन हुआ। शहर में निकले जलसे का शहरवासियों सहित समाजजनों ने जगह-जगह स्वागत किया और मिठाइयां बांटी।

सांची को एनडीडीबी मर्ज करेंगे या अमूल में समाहित किया जाएगा..!

मंदसौर/उज्जैन, 16 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश सरकार के डेयरी एवं पशुपालन विभाग द्वारा संचालित सांची दुग्ध संघ को घाटे में चलना बता कर अब नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड लेने की तैयारी कर चुका है। 10 सितंबर को उच्च स्तरीय बैठक के बाद सांची को घाटे में चले जाने की तैयारी कर चुकी है, बस उसकी रिपोर्ट और उस पर प्रदेश सरकार का निर्णय उजागर होना बाकी है। मध्य प्रदेश के दुग्ध संघ सांची को अपनी क्वालिटी और उत्पादन के कारण ख्याती मिली थी। बीच के बीते समय में क्वालिटी के स्तर में और उत्पादन में भी गिरावट आने लगी थी। इसी साल के प्रारंभ में भी इसी सांची को पूरी तरह से गुजरात के अमूल को सौंपने की तैयारी हो चुकी थी। इसके पहले सांची के साथ प्रदेश सरकार के आधे अधिकारी सांची को अमूल को सौंपना नहीं चाहते थे। पर, उच्च स्तरीय निर्णय के कारण मजबूर थे। अतः लगभग तय हो चुका था कि



सांची दुग्ध संघ मध्य प्रदेश का गुजरात के अमूल में संविलय हो जाएगा। सांची के ही कुछ अधिकारियों की तरह जो अपने छह यूनिट में से घाटे में चलने वाले ग्वालियर, सागर, जबलपुर देने को तैयार भी हो गए थे। इन्हीं की तरह अमूल के अधिकारी भी सांची के सिर्फ फायदे में चलने वाले इंदौर, उज्जैन, भोपाल यूनिट लेना चाहते थे। उल्लेखनीय

है कि मध्य प्रदेश में सांची की 6 यूनिट संचालित हो रही है। इनमें से इंदौर, उज्जैन, भोपाल फायदे में है। जबकि, ग्वालियर, सागर, जबलपुर घाटे में चल रही है। ऐसे में अमूल के कुछ अधिकारियों ने पहले फायदे में चलने वाली यूनिट के समायोजन का प्रस्ताव रखा था। जिससे सांची प्रबंधन और सरकार भी असहमत नजर आए थे। विषय उठा कि पूरे सांची दुग्ध संघ के लिए चर्चाएं हुई थीं। बहरहाल सांची का अमूल में विलय तो तीन घाटे में चलने वाले यूनिट ने अवरोध बन कर दिया है, वरना राजनीतिक स्तर पर तय किया जा चुका था। इसके बाद भी राजनीतिक स्तर पर सांची को प्रदेश सरकार से लेने की योजना थमी नहीं थी। अब फिर से इन्हीं नीतिकारों के इशारे पर नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड सांची दुग्ध संघ को

अपने बोर्ड से संचालित करने के लिए आगे आ गया है। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से एनडीडीबी बहुत मजबूत संस्था है। उसने निर्णय ले लिया है तो सांची का विलय होना तय ही है। यह उल्लेख भी समर्थन करता है कि एनडीडीबी में गुजरात लाबी का प्रभुत्व है। इसी कारण अमूल के प्रयासों में असफलता के तत्काल बाद ही एनडीडीबी ने स्पष्टहस्त कर जाहिर कर दिया की सांची दुग्ध संघ जिसके 6 में से तीन यूनिट घाटे में चल रहे हैं अमूल या राष्ट्रीय बोर्ड में समा जाएं, ताकि गुजरात और दिल्ली में दूध का प्रबंधन बेहतर हो जाए। इसी के साथ जबलपुर यूनिट के दो महाकौशल तथा विध्य अंचल, ऐसे ही उज्जैन दुग्ध संघ के दो हिस्से रतलाम मंदसौर नौमच को



चन्द्रमोहन भगत

अलग कर दशपुर संघ बनाया जाएगा। महासंघ में चल रही इस प्रक्रिया में यह स्पष्ट हो चुका है कि सरकार भी गुजरात लाबी के पक्ष में निर्णय लेगी, फिर चाहे सांची का विलय अमूल में हो या नेशनल बोर्ड पहले अपने अधीन लेकर फिर अमूल को संचालन सौंप दे। इससे दूध के क्षेत्र में प्रदेश का प्रभुत्व घटने। दूसरी तरफ अमूल की तरह तकनीक में सुधार तथा सांची के अधिकारी कर्मचारी अपने घाटे में चलने वाले तीन यूनिट को नए दुग्ध संघ भी बनाए जाएंगे और जबलपुर यूनिट के दो महाकौशल तथा विध्य अंचल, ऐसे ही उज्जैन दुग्ध संघ के दो हिस्से रतलाम मंदसौर नौमच को

खाली पोस्ट केवल 05, अतिशेष 42

अतिशेष की प्रक्रिया के बाद खुली पोल, शिक्षक बोले-पोस्टिंग जिले में तो अन्य जिलों में क्यों जाए?

मंदसौर, 16 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शिक्षा विभाग में श्रेणी-2 के अतिशेष शिक्षकों (उच्च श्रेणी शिक्षक और माध्यमिक शिक्षक) की शिक्षक विहीन स्कूलों में पदस्थापना के लिए रविवार को प्रदेश के सभी जिलों में काउंसिलिंग की गई। काउंसिलिंग की निगरानी के लिए लोक शिक्षण विभाग तथा सांची के अधिकारी कर्मचारी अपने घाटे में चलने वाले तीन यूनिट को नए दुग्ध संघ भी बनाए जाएंगे और जबलपुर यूनिट के दो महाकौशल तथा विध्य अंचल, ऐसे ही उज्जैन दुग्ध संघ के दो हिस्से रतलाम मंदसौर नौमच को

यह है जिले से बाहर पोस्ट होने का कारण...

बता दे कि प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों के स्थानांतरण के संबंध में कमान जिला शिक्षाधिकारी के पास होती है। माध्यमिक विद्यालय में इसकी कमान संभाग स्तर पर बैठे अधिकारी के पास होती है। वहीं वर्ग एक के शिक्षकों के लिए राज्य स्तर पर निर्णय लिया जाता है। ऐसे में वर्ग दो के मतलब माध्यमिक विद्यालय के संस्कृत भाषा के शिक्षकों की संख्या 42 अतिशेष मिली। जब पोस्ट देखी गई तो सिर्फ पांच ही खाली मिली। अब संभाग स्तर पर बैठे अधिकारी शेष बचे 37 शिक्षकों को संभाग में कहीं भी भेज सकते हैं। यह स्थिति सिर्फ संस्कृत विषय ही नहीं, बल्कि अन्य विषयों में भी सामने

आई है। इस तरह का मामला सिर्फ मंदसौर जिले ही नहीं, बल्कि प्रदेश में कई जगहों पर सामने आ रहे हैं। यहीं कारण है कि अतिशेष शिक्षकों की इस प्रक्रिया को लेकर शुरुआत से ही शिक्षकों में आक्रोश देखा जा रहा है।

अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश...

शिक्षकों का कहना है कि जब स्कूलों में रिक्त पद ही नहीं था तो पदस्थ क्यों किया गया, जिससे अतिशेष की स्थिति निर्मित हुई। सबसे पहले सरकार को शिक्षा विभाग के ऐसे अधिकारियों को के लिए राज्य स्तर पर निर्णय लिया जाता है। ऐसे में वर्ग दो के मतलब माध्यमिक विद्यालय के संस्कृत भाषा के शिक्षकों की संख्या 42 अतिशेष मिली। जब पोस्ट देखी गई तो सिर्फ पांच ही खाली मिली। अब संभाग स्तर पर बैठे अधिकारी शेष बचे 37 शिक्षकों को संभाग में कहीं भी भेज सकते हैं। यह स्थिति सिर्फ संस्कृत विषय ही नहीं, बल्कि अन्य विषयों में भी सामने

शेष पेज 3 पर

मनाहरलाल मूतड़ा
(पटलावद वाले)



अपनी दृढ़ता एवं प्रखर नेतृत्व क्षमता से
भारत को नयी ऊंचाइयां देने एवं
140 करोड़ देशवासियों की उम्मीदों और
आकांक्षाओं को पूरा करने वाले...

यशस्वी प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

के जन्मदिवस पर कृतज्ञ मध्यप्रदेश की ओर से

हार्दिक शुभकामनाएं

स्वच्छता का जो आंदोलन शुरू हुआ, अब वह एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर आ पहुंचा है। हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि राष्ट्र का हर तबका, हर संप्रदाय, हर जाति, हर उम्र के मेरे साथी इस महाअभियान को आगे बढ़ा रहे हैं।
- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस को समर्पित स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी अंतर्गत
"51,000 आवासों का गृह प्रवेश"
एवं
"प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0" का शुभारंभ
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों का 50 चिकित्सालयों में शुभारंभ
प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना अंतर्गत निकायों एवं बैंकर्स को उत्कृष्ट कार्य के लिए PRAISE अवॉर्ड

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल

राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

17 सितम्बर, 2024 । पूर्वान्ह 10:30 बजे । कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल

**आइये
सहभागी बनें**



मुख्यमंत्री से जुड़ने
के लिए स्कैन करें

- ✓ स्वच्छता मित्रों का सम्मान कार्यक्रम
- ✓ 117 पर्यटन ग्राम, 710 नर्मदा तट के ग्रामों के 70,000 सार्वजनिक स्थानों पर श्रमदान कार्यक्रमों के माध्यम से की जायेगी साफ-सफाई

- ✓ जनभागीदारी से वृहद स्तर पर सफाई अभियान, सफाई मित्र स्वास्थ्य सुरक्षा शिविरों का आयोजन
- ✓ अभियान अवधि में 18,000 लक्षित इकाइयों को पूरी तरह स्वच्छ बनाया जायेगा

- ✓ स्वच्छता संवाद, स्वच्छता रैली, मोहल्ला सभा, स्वच्छ वाई प्रतियोगिताएं, 3-आर गतिविधियां (Reduce, Reuse, Recycle), एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम

D-11064/24

सीधा प्रसारण



Webcast.gov.in/mp/cmevents



@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh



@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP



JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन